٧٨٦/٩٢

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

صـ م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

صـ ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

صـ م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

صـ د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ



# स़लातुल मीमिल्अरबईन

## दुरूदे चहेल मीम

34

## बमौक़ा ज़ुल्हिज्जह 1439हि0

## बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم





آستانہ حضرات مخدومین سادات چودہوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

नोटः- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन ''दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे ''मीम ह़ा मीम दाल'' और दुरूदे चहल मीम''वग़ैरह www.syed14peer.com पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं। Mo. 9695435877



بِسۡمِ اللّٰهِ الۡمَلِكِ السَّلٰمِ بِسۡمِ اللّٰهِ وَالسَّلٰمُ عَلٰى

سَيِّدِنَا هُوَ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰهِ بِسۡمِ اللّٰهِ وَالصَّلٰوةُ

وَالسَّلٰمُ عَلٰى حَمۡدِ اللّٰهِ وَحُكۡمِ اللّٰهِ وَاَمۡرِ اللّٰهِ وَمَجۡدِ اللّٰهِ

وَكَرَمِ اللّٰهِ وَحِلۡمِ اللّٰهِ وَ مَحۡبُوۡبِ اللّٰهِ وَعِلۡمِ اللّٰهِ

وَحِكۡمَةِ اللّٰهِ وَرَحۡمَةِ اللّٰهِ وَعَظۡمَةِ اللّٰهِ وَنِعۡمَةِ اللّٰهِ

وَمَغۡفِرَةِ اللّٰهِ وَاَبِيۡ عَبۡدِ اللّٰهِ وَ اِبۡرٰهِيۡمَ وَالۡقَاسِمِ

وَالۡفَاطِمَةِ وَاُمِّ كُلۡثُوۡمَ وَزَيۡنَبَ وَمَوۡلٰى اَهۡلِ الۡمَكَانِ

وَاللَّامَكَانِ وَكُلِّ الۡعَالَمِ وَهُوَ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰهِ وَعَلٰى

وَالِدَيۡهِ وَاٰلِهٖ وَكُلِّ الۡاَنۡبِيَآءِ وَاِبۡرٰهِيۡمَ وَاِسۡمٰعِيۡلَ

وَاِسۡحٰقَ وَهَاجِرَةَ وَ سَارَةَ وَاَصۡحَابِهٖ وَمُحۡيِ الدِّيۡنِ

وَمُعِيۡنِ الدِّيۡنِ وَاَحۡمَدَ وَلِيِّ اللّٰهِ وَكُلِّ اُمَّتِهٖۤ اِلَى الۡاَبَدِ ○



**तर्जमाः-** अल्लाह के नाम से शुरूअ़ जो मालिक है सलामती देने वाला है अल्लाह के नाम से शुरूअ़ और खूब सलामती नाज़िल हो हमारे सरदार मोह़म्मद ﷺ पर जो अल्लाह के रसूल हैं। अल्लाह के नाम से शुरूअ़ और खूब दुरूदो सलाम नाज़िल हो अल्लाह की तअ़रीफ़ पर और अल्लाह के हुक्म पर और अल्लाह के अम्र पर,अल्लाह की बुज़ुर्गी पर, अल्लाह के करम पर, अल्लाह की बुर्दबारी पर, और अल्लाह के मह़बूब पर, अल्लाह के इल्म व हिक्मत पर, अल्लाह की रह़मत पर, अल्लाह की अ़ज़मत पर, अल्लाह की नेअ़मत पर, अल्लाह की बख़्शिश पर, सय्यिदुना अब्दुल्लाह व इब्राहीम और क़ासिम के वालिद पर, और सय्यिदह फ़ात़िमा व उम्मे कुल्सूम और ज़ैनब के वालिद पर, मकानो ला मकाँ और सारे जहान के आक़ा पर, और वह मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं। आप ﷺ के वालिदैन पर, और आल पर, तमाम अम्बिया पर, सय्यिदुना इब्राहीम व इस्माईल व इस्ह़ाक़ पर, सय्यिदह हाजिरा व सारह पर, और आप ﷺ के अस्ह़ाब पर, शैख़ मुह़युद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन और मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर, आप ﷺ की सारी उम्मत पर हमेशगी त़ौर पर।

**फ़ज़ीलत :** क़ज़ाए ह़ाजात के लिए दो रकअ़त नमाज़े नफ़्ल इस त़रह पढ़े कि हर रकअ़त में सूरए फ़ातिह़ा के बअ़्द सूरए इख़लास़ ११/११/ बार पढ़े नमाज़ से पहले और नमाज़ के बअ़्द इस दुरूद को २०/२० बार पढ़े और नबी करीम ﷺ की बारगाह में पेश कर के दुआ़ करे तो उस की जुम्ला ह़ाजात और मक़ास़िद पुरे होंगे। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।